सत्रीय कार्य निर्देश-पुस्तिका

सत्र – जुलाई 2024

बीएड कार्यक्रम

कार्यक्रम कोड : बीएड (012)

प्रथम वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर

क्रमांक	सत्रीय कार्ड कोड	कहाँ प्रेषित करें	संबंधित अध्ययन केंद्र के पते पर सत्रीय कार्य पहुँचने की निर्धारित अन्तिम तिथि
01	शिक्षा – 041	संबंधित अध्ययन केंद्र के पते पर	**13 अप्रैल, 2026 तक**
02	शिक्षा – 042		
03	शिक्षा – 043		
04	शिक्षा – 044		
05	शिक्षा – 045		
06	शिक्षा – 046		
07	शिक्षा – 047		

- अध्ययन केंद्र पर पंजीकृत विद्यार्थी अपने-अपने सत्रीय कार्य अध्ययन केंद्र पर ही जमा कराएँ। ऐसे विद्यार्थियों के सत्रीय कार्य का मूल्यांकन संबंधित अध्ययन केंद्र पर ही किया जाएगा।

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र - 442 001

फोन/फैक्स नं.: 07152-247146

वेबसाइट : http://hindivishwa.org/distance/

दूर शिक्षा निदेशालय

बी.एड कार्यक्रम **प्रथम वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य दिशा-निर्देश

बीएड कार्यक्रम के द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर की 06 पाठ्यचर्याओं में से विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम (वैकल्पिक) पाठ्यचर्याओं के निर्धारित 02 विकल्पों में से किसी 01 पाठ्यचर्या का चयन करना है। विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम वैकल्पिक पाठ्यचर्या (विद्यार्थी द्वारा चयनित) के लिए सत्रीय कार्य सम्पूर्ण कर जमा कराना अनिवार्य है। इस प्रकार विद्यार्थी को द्वितीय वर्ष - चतुर्थ सेमेस्टर में कुल 06 सत्रीय कार्य सम्पन्न कर जमा कराने हैं।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में विद्यार्थी को कुल 03 प्रश्नों के विश्लेषणात्मक उत्तर लिखने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखना है।

पूर्ण किये गए सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन हेतु निर्धारित अंतिम तिथि से पूर्व संबंधित अध्ययन केंद्र पर जमा कराएँ तथा उनकी एक छायाप्रति अपने पास अनिवार्यत: सुरक्षित रखें।

सत्रीय कार्य का उद्देश्य :

- सत्रीय कार्य का उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थी को उपलब्ध करायी गई पाठ्य-सामग्री को विद्यार्थी की हस्तलिपि में पुन: प्राप्त करना नहीं है अपितु विद्यार्थी की अध्ययन-प्रवृत्ति में निरन्तरता बनाए रखने के साथ ही उसके द्वारा अब तक किए गए अध्ययन का मूल्यांकन करना है।
- विद्यार्थी ने कार्यक्रम हेतु निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों तथा संबंधित पाठ्य-सामग्री को कितन पढ़ा-समझा है, उसका विवेचन-विश्लेषण करने की कितनी क्षमता अर्जित की है तथा संबंधित पाठ्य के विषय में उसका अपना दृष्टिकोण कितन विकसित हुआ है, आदि उद्देश्यों को दृष्टि में रखने के साथ-साथ विद्यार्थी की लेखन-क्षमता का मूल्यांकन करना भी सत्रीय कार्य का लक्ष्य है।
- विद्यार्थियों को सत्रीय कार्यों में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखते समय उपर्युक्त उद्देश्यों को स्मरण रखना चाहिए तथा प्राप्त पाठ्य-सामग्री का पुनर्प्रस्तुतीकरण न करते हुए अध्ययन उपरान्त अपनी विकसित विचार-क्षमता के आधार पर ही उत्तर लिखने का प्रयास करना चाहिए।
- पूछे गए प्रश्न के उत्तर में विद्यार्थी का अध्ययन, उसकी आलोचनात्मक दृष्टि, पाठ्य के विषय में उसकी अपनी समझ आदि के साथ ही भाषा एवं वर्तनी संबंधी ज्ञान की अपेक्षा की जाती है।

उपर्युक्त अपेक्षाओं को दृष्टि में रखकर ही विद्यार्थी द्वारा प्रेषित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन किया जाएगा.

सत्रीय कार्य लेखन :

विद्यार्थी सत्रीय कार्य लिखने से पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें :-

01. योजना :-
    - प्रथमत: सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नो को पढ़कर उनका आशय समझ लीजिए। उसके बाद संबंधित पाठ्य-सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

- पूछे गए प्रश्नों से संबंधित इकाइयों को मनोयोग से पढ़िए। निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों का गहन अध्ययन कीजिए।
- साथ ही, सुझायी गई सहायक पुस्तकों को भी रुचिपूर्वक पढ़िए।
- पढ़ते समय प्रत्येक उत्तर से संबंधित महत्त्वपूर्ण तथ्य चिह्नित कर लीजिए और अन्तिम प्रति तैयार करने से पूर्व उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लीजिए।

02. संगठन कौशल :-

- अपने उत्तर को अंतिम रूप देने से पूर्व एक कच्ची रूपरेखा बना लीजिए , श्रेष्ठतम तथ्य संकलित करने का प्रयास कीजिए और उसके समुचित विवेचन-विश्लेषण हेतु चिन्तन कीजिए।
- उत्तर लिखते समय प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दीजिए।
- कृपया ध्यान रखिए कि पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तर्कसंगत हों, वाक्य-विन्यास और वर्तनी सम्बन्धी त्रुटियाँ न हों, अनुच्छेदों में परस्पर तारतम्यता हो तथा भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त संयोजन किया गया हो।

03. सत्रीय कार्य लेखन :-

- सत्रीय कार्य विद्यार्थी द्वार **स्वयं की हस्तलिपि** में सम्पन्न किया जाना है।
- पूछे गए प्रश्नों की अन्तिम प्रति स्वच्छ, स्पष्ट, पठनीय अक्षरों में लिखित, वर्तनी सम्बन्धी दोषों से रहित, प्रारूपबद्ध और बिना काट-छाँट किए तथा भली प्रकार नत्थी/स्पाइरल बाइंडिंग की गई हो।
- आवश्यकता प्रतीत होने पर मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित किया जा सकता है।
- उत्तर-पुस्तिका में केवल नीले अथवा काले रंग की स्याही वाले पेन अथवा बॉलपेन का ही प्रयोग कीजिए।
- उत्तर-पुस्तिका में प्रश्नों के उत्तर पूछे गए प्रश्नों के क्रमानुसार ही लिखिए। किसी भी प्रश्न का उत्तर लिखना प्रारम्भ करने से पूर्व संबंधित प्रश्न क्रमांक अवश्य लिखिए।
- प्रत्येक नए उत्तर का प्रारम्भ नए पृष्ठ से कीजिए।
- उत्तर-पुस्तिका हेतु A-4 साइज़ के कागज का प्रयोग करें।
- कार्य सम्पन्नोपरान्त सभी कागज़ों को भली प्रकार नत्थी कर लीजिए। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि अपनी उत्तर-पुस्तिका की सुरक्षित प्रस्तुति हेतु वे समस्त कागज़ों को स्पाइरल बाइंडिंग करा लें । विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार गुणवत्तापूर्ण कागज़ के बड़े आकार के जिल्दबंद रजिस्टर में भी सत्रीय कार्य प्रस्तुत कर सकते हैं।
- सत्रीय कार्य के अंतिम पृष्ठ पर कुल पृष्ठ संख्या लिखकर **अपने हस्ताक्षर कीजिए**।
- सत्रीय कार्य की विद्यार्थी द्वारा **स्वयं की हस्तलिपि में लिखित** प्रति ही स्वीकार की जाएगी।
- आवश्यकता प्रतीत होने पर विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत सत्रीय कार्य में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) का मिलान करवाया जाएगा। दोनों की हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) में भिन्नता पाए जाने पर ऐसे सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।
- सत्रीय कार्य की **कंप्यूटर टंकित प्रति अस्वीकार्य** है । कंप्यूटर टंकित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण :

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-

01. **सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ के लिए निम्नलिखित प्रारूप निर्धारित हैं :**

सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ का प्रारूप

.....

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र- 442001
फोन / फैक्स नं. : 07152-247146 वेबसाईट : http://hindvishwa.org/distance

.....

बीएड कार्यक्रम, द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर, कार्यक्रम कोड: शिक्षा – 012

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक :
सत्रीय कार्य कोड :
पाठ्यचर्या क्रमांक :
पाठ्चर्या का शीर्षक :

.....

विद्यार्थी का नाम :
अनुक्रमांक :
नामांकन संख्या :
पत्राचार पता :
मोबाईल नं. :
ई- मेल :

.....

संबंधित अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता :
दिनांक :
स्थान:
विद्यार्थी के हस्ताक्षर :

02. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के निम्नाभाग में संबंधित अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता लिखिए तथा स्थान एवं दिनांक अंकित करते हुए अपने हस्ताक्षर अवश्य कीजिए। अहस्ताक्षरित प्रति अस्वीकार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका को जाँच हेतु संबंधित अध्ययन केंद्र के पते पर जमा करा दीजिये।
04. लिफ़ाफ़े के शीर्ष पर –

सत्रीय कार्य, बीएड कार्यक्रम, प्रथम वर्ष – प्रथम सेमेस्टर, कार्यक्रम कोड : शिक्षा 012 अवश्य लिखिए।

हम यह विश्वास करते हैं कि आप उपर्युक्त दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण सत्रीय-कार्य निर्धारित समय पर प्रस्तुत करेगें और एम. ए. हिंदी कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न करेगें।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
दूर शिक्षा निदेशालय
बी.एड. (सत्र 2024-26) द्वितीय सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा 041
प्रश्न पत्र का नाम : समावेशी विद्यालयी शिक्षा

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्नसंख्या 01 :शिक्षा में विविधता एवं समावेशन का औतित्य पर प्रकाश डालिये।

प्रश्नसंख्या 02 :राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों एवं आयोगों में समावेशी के लिये क्या संस्तुतियां की गई ?

प्रश्नसंख्या 03 : श्रवण क्षतियुक्त बालकों की शिक्षा के लिये क्या प्रावधान है ? समझाइये।

प्रश्नसंख्या 04 : वंचित वर्गकेविद्यार्थियों की विद्यालयी शिक्षा के लिये समावेशी शिक्षा में क्या योजना है ?

प्रश्न संख्या05: विशिष्ट आवश्यकता वाले छात्रों के लिये अधिगम सामग्री एवं उपकरणों को बतलाइये।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय ,वर्धा
दूर शिक्षा निदेशालय
बी.एड. (सत्र 2024-26) चतुर्थ सेमेस्टर
सत्रीय कार्य
कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : 042
प्रश्न पत्र का नाम : जेंडर, विद्यालय एवं समाज

निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।

प्रश्नसंख्या 01 : जेंडर रुढ़िवाद की संकल्पना को स्पष्ट करते हुए एक अध्यापक के रूप में जेंडर रुढ़िवाद को मिटाने के लिए आप क्या प्रयास करेंगे ?

प्रश्नसंख्या 02 : नारीवाद की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए रेडिकल नारीवाद एवं समाजवादी नारीवाद में अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्नसंख्या 03 : जेंडर आधारित पहचान के विकास में विद्यालय की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्नसंख्या 04 : भारत में लड़कियों की शिक्षा की वर्तमान स्थिति एवं चुनौतियों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्नसंख्या 05 : विद्यालय गतिविधियों की स्त्रीवादी दृष्टि से व्याख्या कीजिए।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय ,वर्धा
दूर शिक्षा निदेशालय
बी.एड. (सत्र 2024-26) चतुर्थ सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : 043
प्रश्न पत्र का नाम : प्रदर्शनकारी कला एवं शिक्षा

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्नसंख्या 01 : प्रदर्शनकारी कलाओं की सहायता से शिक्षण कार्य संपन्न कराने हेतु आदर्श पाठयोजना की संरचना निर्माण करिए।

प्रश्नसंख्या 02 : भारत के विभिन्न प्रदेशों की लोकप्रिय गीतशैली (धुनें) व लोक नृत्य का विस्तार से वर्णन कीजिए।

प्रश्नसंख्या 03 : विभिन्न प्रदर्शनकारी कलाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में शैक्षिक रुची विकसित करने के लिए एक शिक्षक के रुप में आप कौन-कौनसे प्रयास करोगे ?

प्रश्नसंख्या 04 : नाट्य के विभिन्न अवयव या घटकों का विश्लेषण करते हुए नाटक की सफलता में उनकी भूमिका स्पष्ट कीजिए।

प्रश्नसंख्या 05 : हिंदुस्तानी एवं दक्षिण गायन शैलियों की चर्चा कीजिए।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय ,वर्धा
दूर शिक्षा निदेशालय

बी.एड. (सत्र 2024-26) चतुर्थ सेमेस्टर

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा 044

प्रश्न पत्र का नाम : अस्मिता एवं आत्मबोध

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्नसंख्या 01 :पूर्वाग्रह (Prejudice) की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए। पूर्वाग्रह के विकसित होने के प्रमुख कारणों की चर्चा करते हुए इसके लाभ तथा हानियों का वर्णन कीजिए।

प्रश्नसंख्या 02 :तनाव (Stress) क्या है? यदि आप किसी तनावपूर्ण स्थिति में हों तो उससे मुक्त होने के लिए आप कौन-कौन से उपाय अपनाएँगे? विस्तार से लिखिए।

प्रश्नसंख्या 03 :स्वस्तिभाव (Well-being) के लिए योग एवं विभिन्न ध्यान पद्धतियों की चर्चा कीजिए तथा अच्छे मानसिक स्वास्थ्य में उनकी उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।

प्रश्नसंख्या 04 :एक शिक्षक के रूप में स्वयं को सांस्कृतिक दृष्टिकोण से कैसे समझा जा सकता है? क्या सांस्कृतिक वातावरण की भिन्नता के कारण विचारों में भिन्नता आ सकती है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्नसंख्या 05 :दैनंदिनी लेखन (Diary Writing) का क्या महत्व है? दैनंदिनी लिखते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय ,वर्धा
दूर शिक्षा निदेशालय

बी.एड. (सत्र 2024-26) चतुर्थ सेमेस्टर

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा 045
प्रश्न पत्र का नाम : शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श

- निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।

प्रश्नसंख्या 01 :व्यावसायिक निर्देशन (Vocational Guidance) क्या है? इसके उद्देश्य, आवश्यकता तथा विद्यार्थियों के उचित व्यवसाय चयन में इसकी भूमिका का वर्णन कीजिए।

प्रश्नसंख्या 02 :साक्षात्कार किसे कहते हैं? साक्षात्कार आयोजन के विभिन्न चरण एवं निर्देशन में साक्षात्कार की उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

प्रश्नसंख्या 03 :शारीरिक विकास एवं स्वास्थ्य संबंधी समायोजन की संकल्पना स्पष्ट कीजिए तथा विद्यार्थियों के संतुलित विकास में इसके महत्व की विस्तृत चर्चा कीजिए।

प्रश्नसंख्या 04 :विद्यालय में परामर्श सेवाओं की आवश्यकता, उद्देश्य तथा कार्यों का वर्णन कीजिए।परामर्श एवं मार्गदर्शन एक-दूसरे से किस प्रकार भिन्न हैं?

प्रश्नसंख्या 05 :बाल अपराधियों की समस्या समाधान के लिए परामर्श सेवाएँ किस प्रकार उपयोगी साबित होती हैं?उदहारण द्वारा स्पष्ट कीजिए |

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय ,वर्धा
दूर शिक्षा निदेशालय
बी.एड. (सत्र 2024-26) चतुर्थ सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : 046
प्रश्न पत्र का नाम : मानवाधिकार एवं शांति शिक्षा (वैकल्पिक)

- निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।

प्रश्नसंख्या 01 : मानवाधिकार का अर्थ बताते हुए मानवाधिकार की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए।

प्रश्नसंख्या 02 : मानवाधिकार की प्रकृति के सन्दर्भ में अपने विचार प्रस्तुत कीजिये।

प्रश्नसंख्या 03 : मानवाधिकार के नीतिगत परिप्रेक्ष्य के सन्दर्भ में भारतीय संविधान की क्या भूमिका है ?

प्रश्नसंख्या 04 : शांति शिक्षा के सन्दर्भ में दलाई लामा के विचारों को विस्तार में लिखिए |

प्रश्नसंख्या 05 : शांति शिक्षा से आप क्या समझते हैं? शांति शिक्षा के प्रसार में विद्यालय एवं शिक्षक की क्या भूमिका है ?

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

दूर शिक्षा निदेशालय

बी.एड. (सत्र 2024-26) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा 046

प्रश्न पत्र का नाम : पर्यावरण शिक्षा

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्नसंख्या 01: प्रदूषण अर्थ एवं प्रकार बतलाते हुये प्रदूषण नियंत्रण के लिए उपाय पर चर्चा कीजिये।

प्रश्नसंख्या 02 : पर्यावरण शिक्षा को प्रभावित करने वाले कारको का वर्णन कीजिये।

प्रश्नसंख्या 03 : शिक्षा के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता के लिये आप क्या करेंगे ?

प्रश्नसंख्या 04 : पर्यावरण शिक्षा को प्रभावशाली बनाने की विभिन्न रणनीतियों का वर्णन कीजिये।

प्रश्नसंख्या 05 : पर्यावरण शिक्षा के प्रसारण में जनसंचार, चलचित्र एवं दूरदर्शन की भूमिका का वर्णन कीजिये।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय ,वर्धा
दूर शिक्षा निदेशालय
बी.एड. (सत्र 2024-26) चतुर्थ सेमेस्टर
प्रायोगिक क्रियाएं

कुल अंक : 50

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा 047
प्रश्न पत्र का नाम : प्रायोगिक क्रियाएं

- **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम अंक प्रश्न के सामने दर्शाए गए है।**

प्रश्नसंख्या 01 : अपने क्षेत्र में स्थित किसी विशिष्ट अथवा वैकल्पिक विद्यालय का अवलोकन कीजिए तथा वहाँ अध्ययनरत विशिष्ट विद्यार्थियों की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए संचालित विभिन्न क्रियाकलापों के आधार पर एक विस्तृत प्रतिवेदन तैयार कीजिए। **10 अंक**

प्रश्नसंख्या 02 :अपनी शैक्षिक एवं व्यावसायिक योग्यताओं तथा कमियों का आत्मचिंतन करते हुए उनका स्व-आकलन कीजिए और उसके आधार पर अपनी आत्मकथा लिखिए। **10 अंक**

प्रश्नसंख्या 03 : अपने द्वारा चयनित किसी एक विद्यालयी विषय के शिक्षण हेतु अभिनय शिक्षणशास्त्र (Dramatic Pedagogy) से संबंधित एक पाठ का निर्माण कीजिए तथा उसका क्रियान्वयन प्रस्तुत कीजिए। **20 अंक**

प्रश्नसंख्या 04 : शिक्षा से संबंधित किसी उपयुक्त पुस्तक का चयन कर उसका समालोचनात्मक अध्ययन करते हुए समीक्षा लिखिए। **10 अंक**